अमर उजाला

बरेली
सोमवार, 29 जुलाई 2024
श्रावण कृष्ण-नवमी
विक्रम संवत 2081

PAGE NO : 06 BOTTOM

भ्रष्टाचार की जांच-पड़ताल का मंचन देख लोटपोट हुए दर्शक

एसआरएमएस रिद्धिमा में नाटक का मंचन करते कलाकार। स्रोत : संस्था

बरेली। एसआरएमएस रिद्धिमा में रविवार शाम अनुकृति रंग मंडल कानपुर के कलाकारों ने जांच-पड़ताल नाटक का मंचन किया। प्रसिद्ध रूसी लेखक निकोलई वैसलीविच गोगोल के हास्य नाटक का मंचन देख दर्शक लोटपोट हो गए।

नाटक के जरिये छोटे शहरों के सरकारी विभागों में व्याप्त भ्रष्टाचार को दिखाया गया। एक शहर के मेयर गजेंद्र बाबू को खबर मिलती है कि सरकार ने भ्रष्टाचार की जांच के लिए एक अधिकारी को नियुक्त किया है। वह मीटिंग में मजिस्ट्रेट आदि को बुलाकर इस मुसीबत से निजात पाने के उपाय खोजते हैं।

दिल्ली से आए युवक कुमार को ये लोग जांच अधिकारी समझ बैठते हैं। मेयर साहब अपने भ्रष्ट अफसरों को बचाने की नीयत से कुमार को मेहमान बनाकर अपने घर ले आते हैं।

भ्रष्टाचार से परेशान व्यापारी भी कुमार से शिकायत करने पहुंचते हैं। मेयर व उनके अफसरों और व्यापारियों से रकम वसूलकर कुमार रफूचक्कर हो जाता है। तब राज खुलता है कि कुमार जांच अधिकारी नहीं बल्कि साधारण व्यक्ति था।

नाटक द गवर्नमेंट इंस्पेक्टर पर आधारित संजय सहाय द्वारा हिंदी रूपांतरित नाटक का निर्देशन कृष्णा सक्सेना ने किया। निर्देशक की भूमिका डॉ. ओमेंद्र कुमार ने निभाई। इस मौके पर एसआरएमएस ट्रस्ट के संस्थापक व चेयरमैन देव मूर्ति, सुभाष मेहरा, डॉ. प्रभाकर गुप्ता आदि मौजूद रहे। संवाद